



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 248]
No. 248]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 21, 1984/वैशाख 31, 1906
NEW DELHI, MONDAY, MAY 21, 1984/VAISAKHA 31, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 मई, 1984

कां० आ० 397(अ)/18कक/आई० डी० आर० ए/84—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां० आ० 767 (अ), तारीख 23 अक्तूबर, 1981 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) से संसद् मोहनी मिल लिमिटेड, बेलथरिया, पश्चिमी बंगाल नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (1) के खंड (ख) के अधीन तीस दिन की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड सूर्यकिरण भवन, बस्तरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां० आ० 821 (अ)/18कक/आई० डी० आर० ए/81 तारीख 21 नवम्बर, 1981; कां० आ० 340 (अ)/18कक/आई० डी० आर० ए० 82, तारीख 21 मई, 1982, कां० आ० 810 (अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/82 तारीख 17 नवम्बर, 1982, कां० आ० 369 (अ)/18कक/आई० डी० आर० ए०/83, तारीख 21 मई, 1983, और 229 GI/84

कां० आ० 851 (अ) 18कक/आई० डी० आर० ए०/83 तारीख 21 नवम्बर, 1983 द्वारा उक्त आदेश को 21 मई, 1984 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम उक्त नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध के अधीन छह मास की और अवधि के लिए बना रहे;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 21 नवम्बर, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फाइल सं० 3(5)/81-सी० सू० एन०]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Dehli, the 21st May, 1984

S.O. 397(E)/18AA/IDRA/84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 767(E), dated the 23rd October

1981 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills Limited, Belgharia, West Bengal, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of thirty days and the National Textile Corporation Limited, Surya Kiran Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking :

And, whereas, by the Orders of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 821(E)|18AA|IDRA|81, dated the 21st November 1981, S.O. 340 (5)(E)|18AA|IDRA|82, dated the 21st May 1982, S.O. 810(E)|18AA|IDRA|82, dated the 17th November 1982, S.O. 369(E)|18AA|IDRA|83, dated the 21st May, 1983, and S.O. 851(E)|18HA|IDRA|83, dated the 21st November, 1983 the said Order was extended upto and inclusive of the 21st May, 1984.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the said National Textile Corporation Limited for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for the further period of six months upto and inclusive of the 21st November 1984.

[File No. 3(5)|81-CUS]

आदेश

का० आ० 398(अ)/18वख/आई० डी० आर० ए०/84.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 783(अ)/18वख/आई० डी० आर० ए०/81, तारीख 2 नवम्बर, 1981 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 18वख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त ऐसे सभी या किसी संविदाओं, संपत्ति के हस्तांतरण-पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों, पंचादों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उन्से मिस्र जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) जिनका मसम मोहिनी मिल्स लिमिटेड, बेलघरिया, पश्चिमी बंगाल नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम का लागू है, प्रवर्तन 21 नवम्बर, 1981 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए निरखित रहेगा और उक्त तारीख से पहले उक्त अधीन प्रोचभूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ और दायित्व उक्त अवधि के लिए निरखित रहेंगे;

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 822(अ)/18वख/आई० डी० आर० ए०/81, तारीख 21 नवम्बर, 1981, का० आ० 341 (अ)/18 वख/आई० डी० आर० ए०/82, तारीख 21 मई, 1982 का० आ० 811 (अ)/18वख

आई० डी० आर० ए०/82, तारीख 17 नवम्बर, 1982, का० आ० 370 (अ)/18वख/आई० डी० आर० ए०/83, ता० 21 मई, 1983 और का० आ० 852 (अ)/18वख/आई० डी० आर० ए०/83, तारीख 21 नवम्बर, 1983 द्वारा उक्त आदेश की 21 मई, 1984 तक जितने यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समझाव था कि उक्त आदेश की अवधि को छह मास की और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाएगा;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 21 नवम्बर, 1984 तक, विमर्ग यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फाइल सं० 3(5)/81-सी० ए० एन०]

ए० पी० सरवान, संपुक्त सचिव

ORDER

S.O. 398(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 783(E)|18FB|IDRA|81, dated the 2nd November 1981 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills Limited, Belgharia, West Bengal, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 21st November 1981 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period ;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 822(E)|18FB|IDRA|81, dated the 21st November 1981, S.O. 341(E)|18FB|IDRA|82, dated the 21st May 1982, S.O. 811(E)|18FB|IDRA|82, dated the 17th November 1982, S.O. 370(E)|18FB|IDRA|83, dated the 21st May, 1983, and S.O. 852(E)|18FB|IDRA|83, dated the 21st November 1983, the said Order was extended for the period upto and inclusive of the 21st May 1984.

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends that duration of the said Order upto and inclusive of the 21st November 1984.

[F. No. 3(5)|81-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.